जांच | एसईसीएल की भूमिगत खदान हादसा : प्रबंधन की कार्रवाई शुरू , जांच तेज

खान प्रबंधक अटैच, सीनियर ओवरमैन निलंबित

प्रदीप शर्मा

नवभारत ,धनपुरी। एसईसीएल के सोहागपुर एरिया अंतर्गत धनपुरी स्थित बंगवार भूमिगत खदान में शुक्रवार दोपहर करीब 3 बजे हुए दर्दनाक हादसे के बाद प्रबंधन और जांच एजेंसियां पूरी गंभीरता के साथ मामले की पड़ताल में जुट गई हैं। खदान के अंदर छत का हिस्सा अचानक ढह जाने से दो ठेका मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि चार अन्य श्रमिक गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घायलों का उपचार शहडोल के चिकित्सालय में जारी है।

घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल देखने को मिला। श्रमिक संगठनों और स्थानीय लोगों ने खदानों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए तथा दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की। हादसे के बाद लगातार विरोध के स्वर भी मुखर होते रहे, जिसके चलते प्रबंधन पर जवाबदेही तय करने का दबाव बढ़ गया। इसी क्रम में एसईसीएल प्रबंधन ने प्रारंभिक कार्रवाई करते हुए खान प्रबंधक घनाराम कुर्रे को एरिया मुख्यालय से अटैच कर दिया है, जबकि सीनियर ओवरमैन रमाशंकर शुक्ल को निलंबित कर दिया गया है। माना जा रहा है कि जांच पूरी होने तक और भी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय की जा सकती है। दूसरी ओर, हादसे की गंभीरता को देखते हुए मामले की उच्चस्तरीय जांच भी शुरू कर दी गई है। डायरेक्टरेट जनरल ऑफ माइंस सेफ्टी , कोल इंडिया के जनरल मैनेजर (सेफ्टी) तथा एसईसीएल के वरिष्ठ अधिकारियों की टीम घटनास्थल और उससे जुड़े सभी तकनीकी पहलुओं की जांच कर रही है। जांच का मुख्य उद्देश्य यह पता लगाना है कि खदान के भीतर सुरक्षा मानकों के पालन में कहीं कोई चूक हुई थी या नहीं, तथा किन परिस्थितियों में छत का हिस्सा ढह गया।

हादसे के बाद एसईसीएल प्रबंधन ने मृतक मजदूरों के परिजनों को 24 घंटे के भीतर 25-25 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। सोहागपुर एरिया के महाप्रबंधक बी.के. जेना ने घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं और प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया है। फिलहाल जांच एजेंसियां खदान के सुरक्षा रिकॉर्ड, कार्यस्थल की स्थिति, निरीक्षण रिपोर्ट और संबंधित अधिकारियों की भूमिका की बारीकी से समीक्षा कर रही हैं। प्रबंधन का कहना है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वहीं श्रमिक संगठनों की मांग है कि केवल निलंबन या स्थानांतरण तक कार्रवाई सीमित न रहे, बल्कि सुरक्षा में लापरवाही बरतने वालों की जवाबदेही भी तय की जाए। हादसे ने एक बार फिर कोयला खदानों में श्रमिक सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था की प्रभावशीलता पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। अब सभी की निगाहें जांच रिपोर्ट पर टिकी हैं, जिससे यह स्पष्ट हो सकेगा कि इस दुखद घटना के पीछे वास्तविक कारण क्या थे और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए क्या कदम उठाए जाएंगे।

खैरहा भूमिगत खदान में वर्षों से जमे कर्मचारियों पर उठे सवाल

स्थानांतरण नीति के पालन की मांग तेज

नवभारत, धनपुरी। खैरहा भूमिगत खदान में हाजिरी कार्यालय से संबंधित कर्मचारियों के लंबे समय से एक ही स्थान पर पदस्थ रहने का मामला कर्मचारियों के बीच चर्चा और असंतोष का विषय बनता जा रहा है। जानकारी के अनुसार, हाजिरी कार्यालय में कार्यरत कुछ कर्मचारियों का पिछले तीन वर्षों से भी अधिक समय से स्थानांतरण नहीं किया गया है, जबकि सामान्य प्रशासनिक व्यवस्था के तहत संवेदनशील विभागों और महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत कर्मचारियों का समय-समय पर स्थानांतरण किया जाना आवश्यक माना जाता है।

किसी भी संस्थान में लंबे समय तक एक ही विभाग या पद पर कर्मचारियों की तैनाती से कार्यप्रणाली की पारदर्शिता प्रभावित हो सकती है। इसी कारण अधिकांश सरकारी एवं सार्वजनिक उपक्रमों में स्थानांतरण नीति लागू की जाती है, ताकि प्रशासनिक संतुलन बना रहे और निष्पक्ष कार्यसंस्कृति को बढ़ावा मिले।

खदान क्षेत्र के बीच यह चर्चा है कि हाजिरी कार्यालय जैसे महत्वपूर्ण विभाग में वर्षों से एक ही कर्मचारियों की पदस्थापना प्रबंधन की कार्यशैली पर प्रश्न खड़े कर रही है। आरोप है कि यदि स्थानांतरण नीति का समान रूप से पालन किया जाता, तो लंबे समय से एक ही स्थान पर कार्यरत कर्मचारियों का नियमानुसार स्थानांतरण किया जाना चाहिए था।

इस स्थिति को लेकर यह भी आशंका व्यक्त की है कि प्रबंधन पर किसी विशेष यूनियन का प्रभाव हो सकता है, जिसके कारण स्थानांतरण संबंधी निर्णय निष्पक्ष रूप से नहीं लिए जा रहे हैं। हालांकि इस संबंध में आधिकारिक रूप से कोई पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन कर्मचारियों के बीच ऐसी चर्चाएं प्रशासनिक निष्पक्षता को लेकर संदेह पैदा कर रही हैं। यदि नियमों का पालन सभी पर समान रूप से नहीं किया जाता, तो इससे कार्यस्थल पर असंतोष और भेदभाव की भावना उत्पन्न हो सकती है। उनका कहना है कि नियम, कानून और स्थानांतरण नीति किसी व्यक्ति, समूह या यूनियन विशेष के लिए नहीं, बल्कि सभी कर्मचारियों के लिए समान रूप से लागू होने चाहिए। प्रबंधन से मांग है कि हाजिरी कार्यालय सहित अन्य संवेदनशील विभागों में लंबे समय से कार्यरत कर्मचारियों की समीक्षा कर नियमानुसार स्थानांतरण प्रक्रिया को लागू किया जाए। इससे न केवल प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही मजबूत होगी, बल्कि कर्मचारियों का विश्वास भी बढ़ेगा और कार्यस्थल पर स्वस्थ एवं निष्पक्ष वातावरण स्थापित होगा। अब सभी की निगाहें प्रबंधन के अगले कदम पर टिकी हैं। यदि इस विषय पर समय रहते उचित निर्णय नहीं लिया गया, तो के असंतोष बढ़ता जाएगा वहीं, पारदर्शी एवं समान अवसर आधारित प्रशासनिक व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए स्थानांतरण नीति के प्रभावी क्रियान्वयन को आवश्यक बताया जा रहा है।

खड़े कोयला लोड ट्रक में लगी आग

समय रहते पाया गया काबू

नवभारत,बुढार। मंगलवार शाम बुढार थाना क्षेत्र में बघेल पेट्रोल पंप के सामने खड़े एक कोयला लोड ट्रक में अचानक आग लगने से क्षेत्र में अफरा-तफरी की स्थिति निर्मित हो गई। घटना की सूचना मिलते ही आसपास मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रक क्रमांक सीजी 15 ईजी 9177 सड़क किनारे खड़ा था। इसी दौरान उसमें अचानक आग भड़क उठी। ट्रक में कोयला लोड होने के कारण आग तेजी से फैलने लगी। हालांकि आग लगने के कारणों का तत्काल पता नहीं चल सका है।

घटना की सूचना मिलने पर धनपुरी नगरपालिका की फायर ब्रिगेड टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया। आग पर समय रहते काबू पा लिए जाने से एक बड़ा हादसा टल गया। घटना स्थल के निकट पेट्रोल पंप होने के कारण स्थिति और अधिक गंभीर हो सकती थी, लेकिन दमकल कर्मियों की तत्परता से आग को फैलने से रोक लिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग लगने के बाद कुछ समय के लिए मार्ग पर लोगों की भीड़ जमा हो गई थी। फायर ब्रिगेड के पहुंचने के बाद राहत कार्य शुरू किया गया और आग को पूरी तरह बुझा दिया गया। फिलहाल आग लगने के वास्तविक कारणों की जानकारी नहीं मिल सकी है। संबंधित विभाग द्वारा मामले की जांच की जा रही है। घटना में ट्रक को नुकसान पहुंचा है, जबकि किसी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं है।

अमलाई पुलिस की सख्ती से अवैध कारोबारियों में हड़कंप

शांति व्यवस्था बनाए रखना पहली प्राथमिकता

नगर निरीक्षक बोले - नशा, सट्टा और अवैध खनिज कारोबार पर होगी कड़ी कार्रवाई

नवभारत, अमलाई। अमलाई थाना में नगर निरीक्षक भूपेंद्रमणि पांडे के पदभार ग्रहण करने के बाद थाना क्षेत्र में कानून व्यवस्था को मजबूत करने और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने की दिशा में लगातार प्रभावी कार्रवाई देखने को मिल रही है। एक ओर जहां क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस पूरी तरह सतर्क और मुस्तैद नजर आ रही है, वहीं दूसरी ओर अवैध कारोबार संचालित करने वालों के खिलाफ भी सख्त कदम उठाए जा रहे हैं।

वर्तमान समय में धनपुरी थाना क्षेत्र में अवैध खनिज कारोबार पर रोक लगाने के लिए स्थानीय पुलिस द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस की सक्रियता के चलते अवैध उत्खनन और परिवहन में संलिप्त लोगों पर कार्रवाई की जा रही है, जिससे इस कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है। क्षेत्रवासियों द्वारा भी पुलिस की इस कार्रवाई की सराहना की जा रही है। इसके अलावा लंबे समय से क्षेत्र में संचालित होने वाले सट्टा, कबाड़ और अन्य अवैध गतिविधियों पर भी पुलिस की निगरानी बढ़ी है। पुलिस द्वारा नियमित गश्त, संदिग्ध गतिविधियों की जांच और मुखबिर तंत्र को सक्रिय कर ऐसे कारोबारों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा रहा है। इसके परिणामस्वरूप अवैध गतिविधियों में कमी देखने को मिल रही है और आम नागरिकों में सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है। नगर निरीक्षक भूपेंद्रमणि पांडे ने स्पष्ट रूप से कहा कि थाना क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखना उनकी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि आम जनता की सुरक्षा और कानून का पालन सुनिश्चित करने के लिए पुलिस पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। किसी भी व्यक्ति को कानून हाथ में लेने या अवैध गतिविधियों के संचालन की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में नशे के कारोबार के खिलाफ भी विशेष अभियान चलाया जा रहा है। युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाने और समाज को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि कोई व्यक्ति नशे के अवैध कारोबार में संलिप्त पाया जाता है तो उसके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नगर निरीक्षक ने यह भी कहा कि पुलिस और जनता के सहयोग से ही अपराध मुक्त और शांतिपूर्ण समाज का निर्माण संभव है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि यदि कहीं भी अवैध गतिविधियों की जानकारी मिले तो तत्काल पुलिस को सूचित करें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। थाना पुलिस की सक्रियता और लगातार की जा रही कार्रवाइयों से यह स्पष्ट संकेत मिल रहा है कि क्षेत्र में अवैध कारोबार करने वालों के लिए अब कोई स्थान नहीं है। पुलिस प्रशासन कानून व्यवस्था को मजबूत करने और अपराधों पर नियंत्रण के लिए पूरी गंभीरता के साथ कार्य कर रहा है, जिससे क्षेत्र में शांति और सुरक्षा का माहौल कायम हो रहा है।

तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार को मारी टक्कर, मौत

नवभारत,अमलाई /शहडोल। जिले के अमलाई थाना क्षेत्र अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग-43 (एनएच-43) पर एक बार फिर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। बटुरा हाईवे पर हुई सड़क दुर्घटना में बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर एकत्र हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार दुर्घटना शहडोल-अनूपपुर हाईवे पर स्थित एक पेट्रोल पंप के पास हुई। बताया जा रहा है कि तेज गति से आ रही एक कार और बाइक के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया और उसने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया।

मृतक की पहचान महेंद्र कोल के रूप में हुई है, जो बुढार क्षेत्र के भुतही मोहल्ला का निवासी था। हादसे की खबर मिलते ही मृतक के परिजन और परिचित भी मौके पर पहुंच गए। युवक की असमय मौत से परिवार में शोक का माहौल है। घटना के बाद हाईवे पर कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया और शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। गौरतलब है कि इसी हाईवे पर हाल ही में दो दिनों पहले एक ट्रेलर की टक्कर से बाइक सवार परिवार हादसे का शिकार हुआ था, जिसमें एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई थी जबकि अन्य सदस्य घायल हुए थे। लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं ने हाईवे सुरक्षा व्यवस्था और तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस ने वाहन चालकों से सावधानीपूर्वक और निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने की अपील की है।

इनका कहना है

अमलाई थाना प्रभारी भूपेंद्र मणि पांडे का कहना है कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। मामले में मर्ग कायम कर लिया गया है तथा मामले की जांच की जा रही है।

नीलम चतुर्वेदी बनीं भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष

नवभारत, शहडोल। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के अनुमोदन उपरांत महिला मोर्चा की जिला इकाइयों के अध्यक्षों की घोषणा कर दी गई है। इसी क्रम में शहडोल भाजपा जिलाध्यक्ष अमिता चपरा की अनुशंसा पर नीलम चतुर्वेदी को भाजपा महिला मोर्चा जिला शहडोल का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। नीलम चतुर्वेदी इससे पूर्व भाजपा महिला मोर्चा नगर अध्यक्ष के रूप में संगठनात्मक दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर चुकी हैं। उनकी सक्रियता, संगठन के प्रति समर्पण एवं कार्यकुशलता को देखते हुए पार्टी नेतृत्व ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। नियुक्ति के पश्चात भाजपा जिलाध्यक्ष अमिता चपरा ने कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि नीलम चतुर्वेदी के नेतृत्व में महिला मोर्चा जिला शहडोल में संगठन को नई दिशा एवं नई ऊर्जा मिलेगी तथा महिला मोर्चा नए आयाम स्थापित करेगा।

8 सूत्रीय मांगों को लेकर संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल

टीकाकरण से लेकर पैथोलॉजी जांच तक कई स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित

नवभारत,शहडोल। संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ मध्यप्रदेश, जिला इकाई शहडोल के बैनर तले जिले के संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न लंबित मांगों को लेकर सोमवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल प्रारंभ कर दी है। जिला अध्यक्ष विक्रम कल्याणी, संरक्षक मनोज द्विवेदी एवं शैलेन्द्र जैन तथा जिला संयोजक डॉ. सुभाष कुमार तिवारी के नेतृत्व में कर्मचारी जय स्तंभ चौक स्थित जिला चिकित्सालय परिसर में शांतिपूर्ण कलमबंद हड़ताल पर बैठ गए हैं। संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा वर्ष 223 में भोपाल में आयोजित महापंचायत में संविदा कर्मचारियों के हित में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई थीं, जिसके परिपालन में सामान्य प्रशासन विभाग ने संविदा नीति जारी की थी। इसके बावजूद राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत कार्यरत कर्मचारियों को घोषित सुविधाओं का पूर्ण लाभ नहीं मिल पाया है, जिससे कर्मचारियों में व्यापक असंतोष व्याप्त है। प्रदेश संगठन के आह्वान पर जिले के लगभग 6 संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी अपनी आठ सूत्रीय मांगों के समर्थन में आंदोलनरत हैं।

नियमितीकरण सहित आठ प्रमुख मांगों पर अड़े कर्मचारी

कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप नियमितीकरण, सामान्य प्रशासन विभाग की संविदा नीति के तहत एनपीएस एवं स्वास्थ्य बीमा सुविधा, अन्य राज्यों की तर्ज पर 1 प्रतिशत वार्षिक वेतनवृद्धि, महंगाई भत्ता, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों के वेतन में पीबीआई का समायोजन, वेतन विसंगतियों का निराकरण, नियमित कर्मचारियों के समान अवकाश सुविधा तथा समान कार्य के लिए समान वेतन और सुविधाएं उपलब्ध कराए जाने तक सार्थक एप को बंद करने की मांग शामिल है।

हड़ताल से कई महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं पर असर

संविदा कर्मचारियों की हड़ताल के कारण जिले में अनेक स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। इनमें राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम, सीएम हेल्पलाइन, राष्ट्रीय पोषण पुनर्वास कार्यक्रम, जननी सुरक्षा योजना, प्रसूति सहायता कार्यक्रम, कान संबंधी जांच सेवाएं, विभिन्न प्रकार की पैथोलॉजी जांचें, राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, प्रसूति जांच सेवाएं तथा ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित अधिकांश स्वास्थ्य सेवाएं शामिल हैं।

मांगें पूरी होने तक जारी रहेगा आंदोलन

संघ पदाधिकारियों का कहना है कि मांगों के निराकरण तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि यह हड़ताल पूरी तरह शांतिपूर्ण है और कर्मचारियों को मजबूर होकर आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा है। संघ ने यह भी स्पष्ट किया कि हड़ताल के कारण आम जनता को होने वाली असुविधा के लिए संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी जिम्मेदार नहीं होंगे, क्योंकि वे लंबे समय से अपनी मांगों के समाधान की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

आज होगा कव्वाली का शानदार मुकाबला

मजार शरीफ टेकरी पर सजेगी इश्क़-ए-इलाही की महफ़िल, सूफियाना कलामों से गूंजेगा कोयलांचल

नवभारत, धनपुरी। कोयलांचल नगरी धनपुरी की सरज़मीं एक बार फिर औलिया-ए-किराम की रूहानी ताजगी और फ़ैज़ो-बरकत से महकने जा रही है। ऐतिहासिक मजार शरीफ टेकरी पर विराजमान बाबा हज़रत सैयद इंसान अली शाह रहमतुल्लाह अलैह तथा आस्ताना हज़रत गुल मोहम्मद शाह रहमतुल्लाह अलैह का सालाना उर्स मुबारक 9 एवं 1 जून को पूरे अदब, अकीदत और सूफियाना शान के साथ आयोजित किया जा रहा है।

उर्स के पहले दिन 9 जून को मजार शरीफ पर परंपरागत रस्मों के तहत चादरपोशी, फातिहाख्वानी और सामूहिक दुआ का आयोजन हुआ। दूर-दराज़ से आने वाले जायरीन और मुरीदीन बाबा की बारगाह में हाजिरी देकर अमन, सलामती, खुशहाली और मुल्क की तरक्की के लिए दुआएं मांगीं। उर्स में देश के ख्यातिप्राप्त सूफी कव्वाल अपनी हाज़िरी पेश करेंगे। नई दिल्ली से तशरीफ ला रहे मशहूर सूफी कव्वाल जनाब शादाब साबरी अपने लोकप्रिय कलाम 'दरिया है हमारा, ओ पालनहारे' की प्रस्तुति देकर महफिल को रूहानी कैफियत से सराबोर करेंगे। वहीं शहडोल अंचल की पहचान बन चुके सूफियाना कलामों के मकबूल फनकार जनाब आसिफ चिश्ती अपने चर्चित कलाम 'हम हुसैनी हैं' के जरिए इश्क़-ए-अहलेबैत, अकीदत और जोश-ए-इमान का रंग बिखेरेंगे। उर्स के दूसरे दिन 1 जून की रात्रि 9 बजे से भव्य कव्वाली मुकाबले का आयोजन होगा। सूफी संगीत, इश्क़-ए-हकीकी और औलिया की शान में पेश किए जाने वाले कलामों की गूंज से पूरी फिज़ा नूरानी हो उठेगी। रात भर चलने वाली इस महफिल में देश के विभिन्न हिस्सों से आए कव्वाल अपनी फनकारी का जादू बिखेरेंगे और श्रोताओं को आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति कराएंगे। इस गरिमामय आयोजन की सरपरस्ती हाजी राशिद कादरी (कटनी), असलम मामा जी तथा हाजी शौकत कादरी (बचो) कर रहे हैं, जबकि वरिष्ठ समाजसेवी बृज पांडेय कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। आयोजन में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, बुद्धिजीवी एवं विभिन्न समुदायों के गणमान्य नागरिक विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। उर्स कमेटी के अध्यक्ष मोहम्मद साबिर और उपाध्यक्ष मोहम्मद शकील खान की अगुवाई में आयोजन की तैयारियां अपने अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं।

चुनाव | अध्यक्ष पद पर दर्ज की बड़ी जीत, उपाध्यक्ष बने अजय द्विवेदी, सोहागपुर एरिया में खुशी की लहर, महाप्रबंधक बीके जेना ने दी बधाई

एसईसीएल ऑफिसर्स एसोसिएशन चुनाव में आशीष त्यागी पैनल का दबदबा

नवभारत,धनपुरी। एसईसीएल ऑफिसर्स एसोसिएशन का त्रैवार्षिक चुनाव 6 एवं 7 जून को मतदान के साथ संपन्न हुआ, जबकि 8 जून को मुख्यालय में मतगणना की गई। देर रात तक चली मतगणना के बाद सभी पदों के परिणाम घोषित कर दिए गए। हर तीन वर्ष में होने वाले इस चुनाव को लेकर अधिकारियों के बीच काफी उत्साह देखने को मिला। इस बार चुनाव में कुल 19 प्रत्याशी मैदान में थे और मुकाबला दो प्रमुख पैनलों के बीच रहा। एक पैनल का नेतृत्व आशीष त्यागी कर रहे थे, जबकि दूसरे पैनल का नेतृत्व पूर्व महासचिव गौरीशंकर प्रसाद के हाथों में था।

चुनाव प्रक्रिया का संचालन सोहागपुर एरिया के चुनाव अधिकारी पी.एस. द्विवेदी की देखरेख में संपन्न हुआ। मतगणना के बाद अध्यक्ष पद पर आशीष त्यागी ने शानदार जीत दर्ज करते हुए अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी महाप्रबंधक मैनपॉवर एस. परीदा को लगभग 5 मतों के अंतर से पराजित किया। इसी तरह महासचिव पद के लिए हुए मुकाबले में ए.के. खुल्लर ने पूर्व महासचिव गौरीशंकर प्रसाद को करीब 5 मतों से हराकर महत्वपूर्ण जीत हासिल की।

उपाध्यक्ष पद के लिए सबसे रोचक मुकाबला देखने को मिला। एक पद पर तिलक राज ने शुरुआत से ही बढ़त बनाए रखी और जीत दर्ज की। वहीं दूसरे उपाध्यक्ष पद के लिए त्रिकोणीय मुकाबला हुआ, जिसमें अंतिम समय तक कांटे की टक्कर बनी रही। इस रोमांचक मुकाबले में अजय द्विवेदी ने संजय साहू को मात्र तीन मतों के अंतर से हराकर विजय हासिल की। वहीं एरिया सिक्योरिटी ऑफिसर अमित सिंह को चौथे स्थान से संतोष करना पड़ा। जॉइंट जनरल सेक्रेटरी पद के चुनाव में डॉ. अनु नेहा ने एकतरफा जीत दर्ज कर अपनी मजबूत स्थिति साबित की। दूसरे जॉइंट जनरल सेक्रेटरी पद पर डॉ. सुमित विजयी रहे। ट्रेजर पद के लिए हुए चुनाव में अनूप विजय रहते ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी चंद्रकांत को हराया, जबकि जॉइंट ट्रेजर पद पर अजय गुप्ता ने जीत हासिल की।

मुख्य चुनाव अधिकारी ए.पी. सिंह ने सभी विजयी प्रत्याशियों को निर्वाचन प्रमाण-पत्र प्रदान करते हुए आधिकारिक रूप से विजेता घोषित किया। चुनाव परिणामों के बाद विजयी उम्मीदवारों एवं उनके समर्थकों में उत्साह का माहौल देखा गया।

सोहागपुर एरिया से उपाध्यक्ष पद पर अजय द्विवेदी की जीत कों लेकर अधिकारियों और कर्मचारियों में विशेष खुशी देखने को मिली। जीत के बाद अजय द्विवेदी ने एरिया महाप्रबंधक बी.के. जेना से मुलाकात की। इस अवसर पर महाप्रबंधक ने उन्हें बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। अधिकारियों ने उम्मीद जताई कि नई टीम एसईसीएल अधिकारियों की समस्याओं के समाधान तथा संगठन को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में प्रभावी भूमिका निभाएगी।